

डॉ. शिव कुमार मिश्र

पटना, बिहार
संपर्क : 9122686586

बिहार सरकारक कला, संस्कृति एवं युवा विभाग अंतर्गत बिहार रिसर्च सोसाइटी, पटना, महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह संग्रहालय, दरभंगा, बेतिया संग्रहालय, बेतिया आ गांधी स्मारक संग्रहालय, भितिहरवाक (प. चम्पारण) प्रभारी डॉ. शिव कुमार मिश्र मिथिलाक इतिहास, संस्कृति, भाषा, भूगोल, लिपि, पुरातत्व ओ परम्परा विषय पर विगत 32 सालसँ अनुसंधान व प्रकाशन। मैथिली साहित्य शोध संस्थानक कोषाध्यक्ष आ मिथिला भारती त्रैमासिक शोध पत्रिकाक सम्पादक छथि।

चामुण्डा मायक खोज

नवम्बर 2020 क' डॉ. सुशांत कुमारक संग कटरागढ़क चामुण्डा मायक खोज करबाक लेल दरभंगासँ मोटर साइकिल पर सवार भय विदा भेलहुँ। एन.एच. 57 पर बेनीबादसँ पूर्वहि केवटसा चौकसँ दहिना विदा भेलहुँ। 17 कि.मी. ऊबर-खाबर पक्की सड़ककेँ टपैत कटरागढ़ दिस चललहुँ। सड़क बागमती धारक पुबारी कात दय बनल अछि कतहु-कतहु सुशांतजी कहैत छलाह जे ई प्राचीन डीह अछि मुदा से भ्रम छलनि। ई बागमतीक बाढ़िमे जे पाँक आ बालुक डीह लागल छल सएह छल।

बकुची अख्तियारपुर चौकसँ बामा दिस एक किलोमीटर गेला पर बागमतीक धार पर बनल पीपा पुलसँ टपिकए कटरागढ़ पर अवस्थित चामुण्डा मंदिर पहुँचलहुँ। ओना पीपापुलसँ पूर्वहि एकटा पुरान लोहाक पुल पार कयलहुँ जे भथि गेल छल। बुझना जाइछ जे कहियो एहि ठामसँ धार बहैत छल हएत।

चामुण्डा मंदिरमे प्रवेश कयल। एहिमे तीनटा मूर्ति देखबामे आयल। पहिल गणेश दोसर काली आ तेसर सूर्यक, तीनू मध्यकालक बुझना जाइछ। पुजारीजी फोटो लेबासँ मना कयलनि, मुदा ट्रस्टी रघुनाथ चौधरीजी अनुमति देलनि आ आदर देलनि। चौधरीजी किछु पोथी देखौलनि जे कटरागढ़सँ संबंधित छल।

एहिठामक डीहपर बहुत बेसी निर्माण कार्य भ' गेल अछि जाहिसँ आब ऊपरमे कोनो पुरावशेष देखब कठिन अछि। ट्रस्टी चौधरीजी कहलनि जे एहिठामसँ चामुण्डाक प्रतिमा चोरी भ' चुकल अछि जे बादमे खौंराडीह नामक गाममे भेटल अछि। ओ इहो कहलनि जे खौंराडीह चारि-पाँच कि.मी. दूर अछि। हमरा लोकनिकेँ खौंड़ाडीहक चामुण्डाक मूर्त्ति देखबाक जिज्ञासा भेल आ पुनः पीपापुल द्वारा वागमती धार टपि बकुची-अख्तियापुर चौकसँ पूबदिस विदा भेलहुँ। कनेक दूर गेला पर एकटा भयानक चचरी पुल देखबामे आयल जे सीमेंटक विशाल पुल, जे धँसि गेल छल तकरा ऊपरमे बनल छल। लखनदेइ नदी पर बनल ई पक्का पुल पछिला कतोक वर्षसँ धँसल अछि जाहि पर बांसक चचरी पुल बनल अछि। कतहु-कतहु चचरी सड़ि गेल अछि जाहिसँ गाड़ीक पहिया फँसि जेबाक संभावना रहैत छैक। सुशांतजी मोटर साइकिल लय असगरे चचरी पुल टपय लगलाह आ हम आगू बढ़ि फोटो लेबय लगलहुँ कि देखल जे मोटर साइकिलक पहिया फँसि गेल आ पाछू दिस पिछरय लागल। हम डेरा गेलहुँ जे सुशांतजी खसि ने परथि मुदा दूटा युवक पाछूसँ ठेलि कय गाड़ीकेँ टपायबमे सहयोग कयलनि। पुनः नहुँ-नहुँ गाड़ी चलबैत सुशांतजी नमहर पुलकेँ पार कयलनि। एहि धँसल पक्का पुलक ऊपर बनल चचरी पुलसँ कनेक हटि क' दोसर नव-पुलक निर्माण भय रहल छल तावत धारमे डायवर्सन सेहो बनि रहल छल। चचरी पुलक दुर्गम रस्ता टपि छहर पर आबि दहिना दिस विदा भेलहुँ। किछु आगू बढ़ि छहरसँ बामा दिस सड़क गेल अछि जे खौंराडीह गेल अछि। बाटमे एकटा धार पर पैघ लचका बनल अछि। दुनू दिस पानि आ बीचमे सीमेन्टक ढलाइ बला लचकाकेँ पार कय दहिना दिस खौंराडीह गेलहुँ। गाममे पुछारी कयला पर एकटा व्यक्ति हमरा लोकनिकेँ मार्गदर्शन करबाक लेल गामक पुबारी-कात बड़की पोखरिक पुबरिया मोहार पर लय गेलाह। बाटमे चामुण्डा मायक गाथा आ हुनक प्रतापक बखान करैत गेलाह। समाजमे कतोक प्रकारक चर्चा आ विश्वास अछि चामुण्डा मायक विषयमे। ओ व्यक्ति कहलनि जे अहाँकेँ अवश्य सपना देने हेती चामुण्डा माय। फेर ओ हमरा लोकनिकेँ बड़की पोखरिक बाट देखा देलनि। हमरा लोकनि गाम टपि बड़की पोखरि दिस प्रस्थान कयल। बाटमे कतेक लोकसँ पुछारी कयल आ अंतमे पोखरिक उतरबरिया मोहार पर पहुँचि कय मोटरसाइकिल ठाढ़ कय पएरे विदा भेलहुँ। तावत ओ

पण्डितजी साइकिलसँ पछुऔने एलाह आ कहलनि जे हमहूँ 5-7 वर्षसँ नहि गेलहुँ अछि चलू चामुण्डा मायक दर्शन क' आबी। ओहि बाटमे रामअशीष राम सेहो भेटलाह जे महींस चरबैत छलाह। ओ लोकनि बड़की पोखरिक पुबरिया मोहार पर बड़क गाछ लग लय गेलाह जाहिठाम एकटा भग्न प्रतिमाकेँ चुनरी ओढ़ाकए ठाढ़ कएल गेल छल।

कारी पाथरक प्रतिमाक ऊपरसँ चुनरी हटेला पर विष्णुक प्रतिमा झलकि गेल जकर आकार 162X75X25 से. मी. छल। प्रतिमाक पादपीठ सुरक्षित अछि जाहि पर विष्णुक दुनू पएर छनि। पएरसँ ऊपरक भाग भग्न छनि। विष्णुक शिलापीठिकामे कटल अछि आ कटावसँ ऊपर विष्णुक छाती ओ गरदनि बाँचल छनि। गरदनिमे हार, कानमे कुण्डल छनि मुदा मुख भग्न छनि। शिलापीठिकाक शीर्ष नोकगर अछि आ ताहि पर कीर्तिमुख अछि। कीर्तिमुखसँ नीचाँ उड़ैत विद्याधर देखबामे अबैछ मुदा भग्न अछि। विष्णुक चारू हाथ भग्न छनि दहिना दिस शिलापीठिका सेहो भग्न छनि। लक्ष्मी भग्न छथि मुदा लक्ष्मी आ विष्णुक बीचमे कमलक डंटी बाँचल अछि जे पादपीठक कमलसँ ऊपर निकलल अछि। बामामे सरस्वती सेहो भग्न छथि मुदा हुनक पाछाँ सहचर ठाढ़ छनि। सहचरक ऊपर शिलापीठिका पर गज-ब्याल बनल अछि। ब्यालक ऊपर हाथी बनल अछि। हाथीक ऊपर किन्नर बनल अछि जिनक दुनू हाथमे वीणा सन कोनो वाद्ययंत्र छनि। हाथीक सूढ़ ऊपर उठल अछि। किन्नर अंकन युक्त विष्णुक प्रतिमा बड़ कम भेटैछ। मधुबनी जिलाक जागेश्वर स्थान (हुलासपट्टी), ठाढ़ी(लदनियाँ) ओ मरूकियाक (खजौली) विष्णुक प्रतिमा पर सेहो किन्नरक अंकन देखबामे अबैछ। खंगुराडीह (खौंड़ाडीहक) विष्णुक प्रतिमाक पादपीठ अत्यंत अलंकृत अछि। तीनटा कमल अछि जाहिमे बीचपर विष्णुक पएर आ दुनू दिसक जे एक-एकटा कमल अछि ताहिपर लक्ष्मी ओ सरस्वतीक पएर बाँचल अछि। सरस्वतीक नीचा गरूड़ ठेहुनियाँ दय बैसल छथि जखन कि लक्ष्मीक नीचाँमे भक्त वा दाताक अंकन अछि। दाता स्त्री छथि जे ठेहुनियाँ दय हाथ जोड़ने प्रणाम करबाक मुद्रामे छथि। दाताक पाछू एकटा बालकक चित्रण बुझना जाइछ। एहि तरहेँ चामुण्डा मायक जे भ्रम एहि क्षेत्रमे व्याप्त अछि ताहिसँ हमरा लोकनि निश्चिंत भेलहुँ जे एतय विष्णुक प्रतिमा अछि नहि कि कोनो चामुण्डा मायक। ई कहल गेल जे कटरागढ़क चामुण्डाक प्रतिमा जे चोरि भेल से खौंड़ाडीहमे राखल अछि सेहो एकटा भ्रम आ दुष्प्रचार अछि। खौंड़ाडीहक राम अशीष राम कहलनि जे ई प्रतिमा ओहि पोखरिसँ बहरायल अछि जखन कि भ्रम अछि जे चामुण्डा मायक संग राक्षसक युद्धमे चामुण्डा मायक गरदनि काटि देल गेल आ एतय माताकेँ राखि देल गेल। एतय एहिठाम इहो कहल गेल जे एहिठामसँ दोसर ठाम कोनो मंदिरमे रखबाक नेयार भेल त' माता सपना देलनि जे हम ओहिठाम रहब। एहन तरहक कतोक कथा सभ एहिठाम प्रचलित अछि मुदा ओहिठामसँ विदा हेबाक काल ओहि ग्रामीणकेँ हम कहि देल जे ई चामुण्डा मायक प्रतिमा नहि अपितु विष्णुक प्रतिमा थिक। ई प्रतिमा कर्णाट कालक बुझना जाइछ। एहन तरहक कतोक विष्णुक प्रतिमा मिथिलामे देखबामे अबैछ जकर स्थापना कार्णाटकालमे भेल हएत।

चामुण्डा मायक खोजक क्रममे डॉ. सुशांत कुमारक संग बीच-बीचमे चर्चा होइत रहल जे एतेक बुधियार मैथिल समाजमे एतेक भ्रम किऐक छैक? बरूआरमे द्वादश सूर्यक प्रतिमा अछि संगहि गणेशक प्रतिमा सेहो छल जे पछिला वर्ष चोरि चलि गेल। मुदा सूर्यक मूर्तिकेँ विष्णु वा रामक मूर्त्ति मानि पूजा होइछ। रामनवमीमे पैघ मेला लगैछ। सूर्यक प्रतिमामे सातटा घोड़ाक चित्रण रहैछ जखन कि विष्णुकेँ शंख, चक्र, गदा आ पद्म लय चारू हाथमे देखल जाइछ तखन एहन भ्रम किऐक। विष्णु त' सातटा घोड़ा पर नहि चढ़ैत छथि। मिथिलामे सूर्यादि पंचदेवता आ गणपत्यादि पंचदेवताक पूजा होइछ। कतोक ठाम ई दुनू प्रतिमा भेटैछ मुदा कोना लोक भ्रमित होइत छथि से आश्चर्य। दरभंगा जिलाक महिया गाममे बुद्धक प्रतिमा अछि जकर मूड़ी भग्न अछि मुदा स्थानीय लोक एहि प्रतिमाकेँ दूर्गा माइक रूपमे पूजैत छथि। स्त्री आ पुरुषक मूर्त्तिमे कोना अंतर नहि बुझना जाइछ से आश्चर्य।

सहरसा जिलाक सत्तरकटैया प्रखंडक दोरमा गाममे एकटा मंदिरमे चतुर्भुज विष्णुक प्रतिमा स्थापित अछि। मुदा एहि प्रतिमाकेँ झांपि-तोपि क' दुर्गाक रूपमे पूजा कएल जाइछ। दुर्गा मानि विष्णुक प्रतिमाकेँ छागरक बलिप्रदान कएल जाइछ। दुर्गापूजामे पैघ मेला लगैछ। एकरे ने कहल जाइछ अंधभक्ति। मिथिलामे विष्णुक उपासक वैष्णव कहबैत छथि जे माछ-मासु, पियाज, लहसुनसँ दूरे रहैत छथि मुदा साक्षात् विष्णुक सोझाँ हजारो छागरक बलि। वाहरे भक्ति। मैथिल समाज एतेक आन्हर भय गेल जे स्त्री आ पुरुषक मूर्त्तिमे भेद नहि बुझना जाइछ। विष्णुक मूर्त्ति चतुर्भुज छथि शंख-चक्र, गदा-पद्म लय जखनि कि दुर्गाजीक प्रतिमा दसटा हाथमे अस्त्र-शस्त्र लय बनाओल जाइत छथि। दुर्गामाताक मूर्ति निर्माता कखनो नहि भ्रमित होइत छथि जे पुरुषक आकृति बनबैत छथि कि स्त्रीक।

मुदा वाह रे बुद्धिमान मैथिल। दुर्गा आ विष्णुक मूर्तिमे भेद नहि सूझल। विष्णुक मूर्तिक पूजा विष्णुक रूपमे होइ ताहिमे की हर्ज? दुर्गापूजा सेहो गामे-गाम होइत अछि मूर्ति बनाकय तहिना एहिठाम सेहो मूर्ति बनाकय कएल जाइत त' कोन हर्ज? मुदा जँ प्रश्न करब त' झगड़ा करबाक लेल तैयार। आस्था पर प्रश्न। अन्धविश्वास पर प्रश्न। विष्णुक पूजा दुर्गाक रूपमे करबाक लेल कोन विवशता छनि से विद्वान समाज सेहो उत्तर नहि देता आ झगड़ा करबाक लेल तैयार। एहिठामक लोकसँ बेसी बुधियार तँ थुहमा गाम मुजफ्फरपुरक लोक छथि जे पोखरिसँ निकलल विष्णुक मूर्तिकेँ दुर्गाक रूपमे पूजा प्रारंभ भेल छल मुदा पुरातत्व वैज्ञानिक लोकनिक बुझेला पर आब अपनामे सुधार कए विष्णुक रूपमे पूजा करैत छथि। मुदा दोरमा, बरूआर आ कटराक लोकक भ्रमकेँ दूर होमयमे एखन समय लागत। मैथिल समाजकेँ एहि विषय पर विचार करबाक आवश्यकता छैक जे आगू आबयबला पीढ़ीकेँ हम की संदेश देबय चाहैत छी भ्रम अथवा स्पष्ट दृष्टि?

•

₹ 50/-

समकालीन मैथिली साहित्यक रचनात्मक उपक्रम



अनुप्रास

www.anuprasprakashan.com

वर्ष 02 अंक 03-04 जनवरी-दिसंबर 2021



अनुप्रास

समकालीन मैथिली साहित्यक रचनात्मक उपक्रम

वर्ष : 2 अंक : 3-4 जनवरी-दिसम्बर 2021, ₹ 50/-

सम्पादकीय कार्यालय

इन्द्र परिसर, लहेरियागंज,

मधुबनी, (मिथिला), बिहार-847 211

मो.- 8862977228

www.anuprasprakashan.com

ई-मेल : info@anuprasprakashan.com

• सम्पादकीय सहयोग पूर्णतः अवैतनिक।

• पत्रिकामे व्यक्त विचार लेल सम्पादक उत्तरदायी नहि छथि। अनुप्राससँ सम्बन्धित समस्त न्यायिक मामिलाक फरिछौट मधुबनी न्यायालयक अधीन होयत।

• अनुप्रास लेल स्वामी, प्रकाशक श्रीमती गिरिजा नारायण द्वारा थॉमसन प्रेस, दिल्लीसँ मुद्रित।



अनुक्रम